सत्यमेव जयते

प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

SIQE के अन्तर्गत

लर्निंग आउटकम्स अनुरूप सी.सी.ई./सी.सी.पी./ए.बी.एल. आधारित

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट)

कक्षा : 1 से 5 तक

विषय : हिन्दी

सत्र 2020-2021

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

www.rajteachers.com

अधिगम प्रतिफल आधारित शिक्षण आकलन प्रक्रिया एवं संरचना

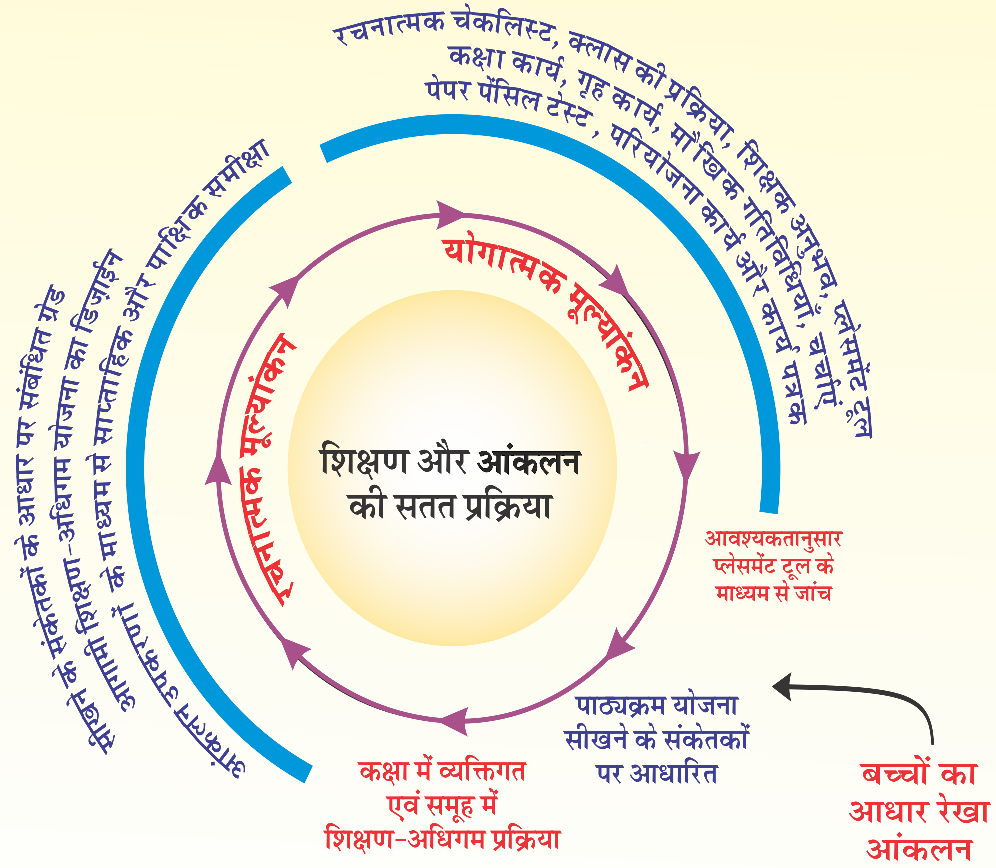

सहभागी संस्थाएँ

unicef
for every child

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट) की प्रविष्टियों के लिए निर्देश

- यह पुस्तिका शिक्षक द्वारा वर्ष पर्यन्त विद्यार्थियों के साथ किए गए कार्यों की प्रगति का आईना है।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत पुस्तिका में विद्यार्थियों की अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन को दर्ज किया जाना है।
- प्रस्तुत पुस्तिका में निम्नानुसार 4 प्रारूप दिए गए है –

  प्रारूप 1. विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण (समूह 1 व समूह 2)

  प्रारूप 2. टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण।

  प्रारूप 3. बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

  प्रारूप 4. योगात्मक आकलन
- **प्रारूप 1 :विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण** :–
  - ➢ प्रत्येक टर्म के प्रारम्भ में कक्षा में नामांकित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक इस प्रारूप में समूहवार (समूह 1 व समूह 2) लिखे जाने हैं। ध्यान रहे कि अनुक्रमांक एक बार जो लिख दिये पूरे सत्र में वो ही रहेंगे।
  - ➢ टर्म 1 के प्रारम्भ की स्थिति में आधार रेखा/पदस्थापन के आधार पर अनुक्रमांक लिखें जाने हैं।
  - ➢ टर्म 2 के प्रारम्भ की स्थिति में प्रथम टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखें जाने हैं।
  - ➢ टर्म 3 के प्रारम्भ की स्थिति में द्वितीय टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखें जाने हैं।
  - ➢ सत्रांत की स्थिति में SA 3 के बाद की स्थिति के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - ➢ शिक्षक का सतत प्रयास रहे कि समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार कार्य करते हुए समूह 1 के स्तर तक लाया जाए।
- **प्रारूप 2 : टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण** :–
  - ➢ इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–25 तक अंकित है।
  - ➢ इस प्रारूप में शिक्षक कक्षा में कार्य करते हुए विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के कॉलम में A/B/C ग्रेड दर्ज करेंगे।
  - ➢ कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में रचनात्मक आकलन में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड A/B/C दर्ज की जानी हैं।
  - ➢ कक्षा में 25 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।
- **प्रारूप 3 : बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** :–
  - ➢ इस प्रारूप में शिक्षक समूह 2 के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखेंगे और उनके स्तरानुसार कार्य करते हुए प्रगति दर्ज करेंगे।
  - ➢ कक्षा 1 में बुनियादी दक्षताओं से सम्बंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति प्रारूप नहीं है। यह प्रारूप कक्षा 2 से कक्षा 5 तक दिया गया है।
  - ➢ पर्यावरण अध्ययन विषय में बुनियादी दक्षताएँ भाषा एवं गणित विषय में समाहित है। अतः पर्यावरण अध्ययन विषय में यह प्रारूप नहीं दिया गया है।

www.rajteachers.com

- ➢ प्रत्येक कक्षा के तृतीय टर्म के बाद पूर्व कक्षा की बुनियादी दक्षताओं की चैकलिस्ट दी गई है। जिसमें सम्बंधित विद्यार्थियों के रोल नं. लिखकर उनकी उपलब्धि प्रगति को दर्ज किया जाना है।
- ➢ शिक्षक प्रत्येक कक्षा में समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण कार्य करते हुए उन्हें समूह 1 में लाने का प्रयास करें।

- **प्रारूप 4 : योगात्मक मूल्यांकन** :–
  - ➢ इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–25 तक अंकित है।
  - ➢ इस प्रारूप में शिक्षक पोर्टफोलियों, रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, मौखिक क्रियाएँ परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया, शिक्षक अनुभव एवं समयावधि पर किए जाने वाले पेपर पेंसिल टेस्ट के आधार पर ग्रेड दर्ज करेंगे।
  - ➢ ध्यान रहे कि योगात्मक मूल्यांकन से समेकित ग्रेड वार्षिक अभिलेख पंजिका में दर्ज करनी होगी। चूंकि यह शिक्षक की स्वायत्तता का क्षेत्र है। अतः इसका कोई गणितीय सूत्र निर्धारित नहीं है।
  - ➢ हिन्दी, अंग्रेजी व गणित में जिन अधिगम क्षेत्रों के सम्मुख कक्षास्तर अंकित है, उनके सामने सम्बंधित टर्म के दौरान विद्यार्थी ने जिस कक्षास्तर की उपलब्धि प्राप्त की वह कक्षा अंकित की जाएगी। नीचे दिए गए सूचकों में टर्म के दोरान विद्यार्थियों की उपलब्धि की ग्रेड दी जाएगी।
  - ➢ कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में योगात्मक मूल्यांकन **SA-I** व **SA-III** में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड **A/B/C** दर्ज की जानी हैं।
- **ग्रेड लिखने का आधार –**

A = स्वतन्त्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना।

B = शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना।

C = शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना।

- कक्षा 5 के अंतर्गत तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर आयोज्य प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन के समय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाना है।

प्रारूप – 1 विद्यार्थियों के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) का टर्मवार विवरण

नामांकित कक्षा	कक्षा 1		कक्षा 2		कक्षा 3		कक्षा 4		कक्षा 5	
	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	
कक्षा स्तर	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2
टर्म -1 के प्रारम्भ की स्थिति										
टर्म -2 के प्रारम्भ की स्थिति										
टर्म -3 के प्रारम्भ की स्थिति										
सत्रान्त की स्थिति										

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म : 1 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
सरल बाल कविताओ और कहानियों को सुनकर समझना और आनन्द प्राप्त करना।																									
सुने हुए वाक्यो, कविताओ, कहानियों को दोहरा पाना।																									
सुनी हुई सामग्री में कौन/कब/कहाँ/कैसे जैसे प्रश्नों के उत्तर दे पाना।																									
चित्रों पर चर्चा में अपनी बात कह पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
परिवेश में उपलब्ध संदर्भों, चित्रों एवं छपी हुई तथा बिना छपी हुई सामग्री को पढकर समझना।																									
सीखे गए वर्णों को पहचानकर पढ पाना वर्णों से संबंधित चित्रों को पढ़ना तथा सूक्ष्म अवलोकन करना। (घ, र, च, ल, अ, ब, म, न, ज, ख, आ, द, त, इ, क, स, ई व, ह, ए,)																									
विषयवस्तु से संबंधित मात्रा (ा, ि, ी, े, ो) युक्त वर्णों/शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।																									
लिखना																									
सीखे गए वर्णों/शब्दों पर पेन्सिल घुमाना एवं लेखन का अभ्यास कर पाना।																									
चित्र को देखकर वर्णों एवं मात्राओ का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
चित्र बनाना व रंग भरना।																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्राओं से नए शब्द बनाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 2 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** **कक्षा : 1**

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
सुनी हुई सरल कविता/कहानी को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।																									
चित्रों/दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन अपनी भाषा में (समूह व एकल) रूप से कर पाना।																									
जाने पहचाने पात्रों की अनुकृति (नकल) कर पाना।																									
घटनाओं/कहानियों को क्रमबद्धता से कह पाना।																									
पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
चित्रात्मक पुस्तकों को पढ़ने के प्रति उत्सुक हो पाना।																									
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग–अलग एवं एक साथ जोड़कर पढ़ना।																									
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों/मात्राओं की पहचान कर पाना (घ, र, च, ल, अ, ब, म, न, ज, ख, आ, द, त, इ, क, स, ई व, ह, ए थ, प, ओ, ग, उ, य, ट, ऊ, ध, श, ठ, ड, ढ, झ, भ, ऐ, छ, फ औ, ण, ष, अं)																									
विषय वस्तु से सम्बन्धित मात्राओं (ि, ी, ो, ु, ू, ँ, ं, ौ) के मात्रायुक्त शब्दों को पढ़ पाना।																									
लिखना																									
चित्र देखकर सीखे गए वर्णों का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
डॉट्स पर पेन्सिल घुमाकर चित्र बनाना तथा उचित रंग भर पाना।																									
सीखे गए वर्णों का प्रयोग करके नए शब्द बनाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 3 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** कक्षा : 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
सुनी हुई कविता/कहानी/गीत को हाव–भाव के साथ आत्मविश्वास से सुना पाना।																									
क्या, कब, क्यों, कैसे जैसे प्रश्न पूछ पाना।																									
चित्र सामग्री,वस्तुओं,दृश्य चित्रों का वर्णन बिना झिझक के कर सकना।																									
तुकान्त शब्दों का आनन्द ले पाना (जैसे–रमन,नमन) व कक्षा समूह चर्चा कर पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
परिवेश में उपलब्ध अपनी पसन्द की सामग्री का अवलोकन करना तथा छपी हुई सामगपढ़ने के प्रति उत्सुक होना।																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों को पहचान कर पढ़ पाना। ((घ, र, च, ल, अ, ब, म, न, ज, ख, आ, द, त, इ, क, स, ई व, ह, ए थ, प, ओ, ग, उ, य, ट, ऊ, ध, श, ठ, ड, ढ, झ, भ, ऐ, छ, फ औ, ण, ष, अं, ऋ, क्ष, त्र, ज्ञ, ङ, ञ, ड़, ढ़, अः)																									
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग–अलग तथा जोड़कर इकाई के रूप में पढ़कर समझना।																									
उपलब्ध पुस्तकों का अवलोकन करना तथा सरल वाक्य , प्रश्न, निर्देश, कहानी, कविता, चित्र कथा को पढ़कर समझ पाना।																									
लिखना																									
स्वर,व्यंजन तथा मात्रा सहित शब्दों का श्रुतलेख कर पाना।																									
सरल शब्द एवं वाक्य लिख पाना।																									
वर्णमाला को क्रमबद्ध लिख पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
पेन्सिल से अपनी पसन्द का चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन करना।																									
स्वयं द्वारा बनाए गए चित्रों के नाम लिख पाना।																									
चित्र देखकर दो–तीन वाक्य लिख पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–4 **कक्षा : 1**

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन बिन्दु	अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना	टर्म ↓																									
सरल बाल कविता/कहानी/गीत को सुनकर समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
बाल कविता/कहानी/गीत को समूह में व अकेले सुना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
परिचित वस्तुओं के बारे में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास से दे पाना।	I																									
	II																									
	III																									
कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में भाग लेना। (चित्र/दृश्य सामग्री के आधार पर)	I																									
	II																									
	III																									
जाने पहचाने पात्रों की अनुकृति (नकल) करना।	I																									
	II																									
	III																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
परिवेश में उपलब्ध संदर्भों, चित्रों और छपी हुई लिखित सामग्री को पढ़ने के लिए उत्सुक होना।	I																									
	II																									
	III																									
ध्वनि व लिपि संकेतों के मध्य सहसंबंध तथा लिखित/मुद्रित सामग्री से संबंध स्थापित कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

www.rajteachers.com

पठनीय सामग्री को उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं उसे समझते हुए राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पुस्तक में दी गई सामग्री के साथ चित्र,वर्ण,शब्द एवं वाक्य को इकाई के रूप में समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सीखे गए वर्ण,मात्रा तथा शब्दों को प्रसंगानुसार अन्य पठन सामग्री में पहचानकर पढ़ पाना तथा समझना।	I																									
	II																									
	III																									
लिखना																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में वर्ण, शब्द एवं वाक्यों को अनुसरण करके लिख पाना ।	I																									
	II																									
	III																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्राओं का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संदर्भ के अनुसार उपयुक्त शब्दों का चयन कर सरल वाक्य लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन कर प्रतिक्रिया दे पाना।	I																									
	II																									
	III																									
अंगुठे के निशान, डॉट्स, अधूरे चित्र पर पेन्सिल घूमा कर चित्र पूर्ण करना एवं रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
स्वयं द्वारा बनाए गए चित्र का नाम लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सीखी गई मात्रा से नवीन शब्दों का सृजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म : 1

टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
बाल कविता/कहानी/गीत को सुनकर समझना व हाव, भाव, लय, ताल से सुना पाना।																									
विषयवस्तु से जुड़े निर्देशों को सुनकर समझ पाना एवं उनकी पहचान कर पाना।																									
विषयवस्तु /कविता/कहानी को क्रमिक ढंग से सुना पाना।																									
जाने पहचाने पात्रों की अनुकृति (नकल) करना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
मुद्रित सामग्री/कविताओं/कहानियों को आनन्द के साथ पढ़ पाना एवं पात्रों आदि के बारे में बता पाना।																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में लघु–दीर्घ मात्रायुक्त शब्दों के विभिन्न रूपों को उनके उच्चारण भेद के अनुसार पढ़ पाना।																									
विभिन्न प्रकार के निर्देशों को पढ़कर समझते हुए कार्य कर पाना।																									
लिखना																									
सीखे गए वर्णों, मात्राओं एवं संयुक्ताक्षरों से बने शब्दों को स्पष्ट एवं साफ शब्दों में लिख पाना।																									
विषयवस्तु अनुसार विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।																									
अपनी बात को दो–चार वाक्यों में लिख पाना।																									
पठित शब्दों/वाक्यों का श्रुतलेखन कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
चित्र देखकर एवं तुकबंदी के आधार पर अपनी कल्पना से कहानी/कविता आगे बढ़ा पाना।																									
चित्रों का अवलोकन कर नाम लिख पाना व रंग भर पाना।																									
कागज से नाव, झण्ड़ा, फुर्री एवं मुखौटे आदि आकृतियाँ बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कर पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 2 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** **कक्षा : 2**

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
कविता / गीत / कहानी / प्रसंग को आत्मविश्वास से पहल करते हुए सुना पाना।																									
परिचित वस्तुओं के बारे में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे पाना।																									
सुनी या पढ़ी हुई विषयवस्तु को अपनी भाषा में कह पाना।																									
कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में भाग ले पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
संबंधित कविताओं / कहानियों / प्रसंगों को आनन्द के साथ पढ़ पाना।																									
पहेलियाँ पढ़कर उनके उत्तर तक पहुँच पाना।																									
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार, अनुनासिक, ऋ व 'र' के विभिन्न रूप वाले शब्दों को सही ध्वनि के साथ पढ़ पाना।																									
लिखना																									
संयुक्ताक्षर के योग से बने नवीन शब्द लिख पाना।																									
समान अन्तिम ध्वनि वाले शब्दों के आधार पर उसी पैटर्न के नवीन शब्द बना पाना।																									
वाक्य संरचना और अभिव्यक्ति के दौरान उचित लिंग तथा वचन का प्रयोग कर पाना।																									
पठित शब्दों / वाक्यों का श्रुतलेख कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
चित्र में क्रमवार सजाए गए चित्रों में घट रही घटनाओं गतिविधियों और पात्रों को कहानी रूप में बता पाना।																									
अपनी पसन्द की राखी / रेल एवं पशु–पक्षियों के चित्र बनाकर रंग संयोजन कर पाना।																									
अपनी कल्पना तुकबंदी के आधार पर कविता / कहानी आगे बढ़ा पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 3 | टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति | कक्षा : 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
बाल कविता/गीत/कहानी/घटनाक्रम को सुनकर समझना एवं पूरे वाक्य में उत्तर दे पाना।																									
चित्रों /विषयवस्तु से जुड़े प्रसंगों से सम्बन्धित चर्चा में भाग ले पाना।																									
बोलते समय वाक्यों में उचित लिंग/वचन का प्रयोग कर पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
चुटकुलों को आनन्द के साथ पढ़ पाना।																									
चित्रात्मक लिखित पहेलियों को पढ़कर समझते हुए हल कर पाना।																									
संयुक्त व्यंजनों को पहचान पाना एवं शब्दों के साथ इनके प्रयोग को समझते हुए पढ़ पाना। (श्र, त्र, ज्ञ, क्ष)																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में विभिन्न प्रकार के शब्दों को वर्णमाला के क्रम में जमा पाना।																									
शब्दों में होने वाले ध्वनि भेद के अंतर को समझते हुए पढ़ पाना।																									
लिखना																									
दिए गए शब्दों का स्वयं के स्तर पर वाक्य में प्रयोग कर पाना।																									
अपने जीवन और परिवेश पर आधारित अनुभव को लिख पाना।																									
छोटे एवं सरल शब्द/वाक्य का श्रुतलेखन कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
कल्पना करके तुकबन्दी द्वारा कविता/कहानी का लेखन कर पाना।																									
अपनी निजी जिन्दगी एवं परिवेश के आधार पर अपने अनुभव बता पाना।(प्रार्थना सभा,बाल सभा/उत्सव)																									
वर्ग पहेली /शब्द पहेली से नवीन शब्द बना पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

लेखन पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–2 में नामांकित पीछे के स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

कक्षा–1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *पढ़ना और पढ़कर समझना **लिखना	टर्म										
* वर्णमाला के अक्षरो को शब्दों में और अलग से(मात्रा सहित)पहचानना एवं पढ़ना।	I										
	II										
	III										
शब्द को एक इकाई के रूप में पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्य का बोलकर वाचन कर पाना।	I										
	II										
	III										
** चित्र के माध्यम से शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सीखे गए वर्णो से नए शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सरल शब्द (मात्रा रहित व सहित) एवं वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										

www.rajteachers.com

प्रारूप–4 **कक्षा : 2**

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन बिन्दु	अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना	टर्म ↓																									
बाल कविता/कहानी को सुनकर समझना।	I																									
	II																									
	III																									
बोली गई सामग्री के घटनाक्रम को क्रमिक ढंग से सुना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
परिचित वस्तुओं के बारे में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे पाना।	I																									
	II																									
	III																									
कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में भाग ले पाना।	I																									
	II																									
	III																									
जाने पहचाने पात्रों की अनुकृति कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पढ़ना और पढ़कर समझना **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
परिवेश में उपलब्ध संदर्भों, चित्रों और छपी हुई लिखित सामग्री को अवलोकन कर पढ़ने के लिए उत्सुक होना।	I																									
	II																									
	III																									
ध्वनि व लिपि संकेतों के मध्य सहसंबंध बताना तथा लिखित/मुद्रित सामग्री से संबंध जोड़ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पठनीय सामग्री को उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं उसे समझते हुए राय व्यक्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

पुस्तक में दी गई सामग्री के साथ चित्र,वर्ण,शब्द एवं वाक्य को इकाई के रुप में समझना।	I																									
	II																									
	III																									
सीखे गए वर्ण,मात्रा तथा शब्दों को प्रसंगानुसार अन्य पठन सामग्री में पहचानकर पढ़ पाना तथा समझना।	I																									
	II																									
	III																									
लिखना **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
सुनी हुई/पढ़ी हुई/देखी हुई सामग्री एवं तथ्यों को अपने तरीके से लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पठित शब्दों/वाक्यों का श्रुतलेखन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
स्तरानुसार विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर (शब्द/वाक्य में) लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
वाक्य संरचना और अभिव्यक्ति के दौरान लिंग एवं वचन का प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
डॉट्स एवं निर्देश को समझ कर चित्र निर्माण एवं रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
कल्पना एवं अपने अनुभवों के आधार नवीन शब्द/ कहानी/कविता का निर्माण कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
शब्द पहेलियों से नवीन शब्द बना पाना। शब्दों का निर्माण कर पाना/कागज के मुखौटे बना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
खेलों को खेलने में उपयोगी सामग्री एवं तालिका में से छाँटकर जानवर/पशु–पक्षी/खाने–पीने का सामान/खेल के सामान की सूची बना पाना।	I																									
	II																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म : 1 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना।																									
कविता/कहानी / पठित विषयवस्तु को सुनकर समझना एवं चर्चा कर पाना।																									
क्या ,कब, कहाँ, कैसे, कौन से, क्यों आदि जैसे प्रश्न पूछना एवं पूछे हुए प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में दे पाना।																									
विचारो एवं घटनाओ को क्रमबद्ध रूप में बता पाना।																									
जाने पहचाने पात्रों का संवाद के साथ अभिनय करना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
विराम चिह्नों को ध्यान रखते हुए उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं भाव के साथ पढ़ पाना।																									
नए शब्दों/सरल वाक्यों/निर्देशो/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।																									
लिखना																									
शब्दों के लेखन में उचित दूरी,सीधी लाइन,शिरो रेखा के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना/चित्र को देखकर 4–5 वाक्य लिख पाना।																									
अनुमान एवं कल्पना आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।																									
कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।																									
सुनी/देखी/पढ़ी हुई सामग्री एवं तथ्यों को अपने तरीके से लिख पाना।																									
व्यावहारिक व्याकरण																									
विषयवस्तु में संज्ञा/सर्वनाम शब्दों को बता पाना।																									
विषयवस्तु में आए शब्दों को अर्थ की समानता एवं विपरीतता के आधार पर पहचान कर पाना। (पर्यायीवाची–विलोम शब्द)																									
अपने लेखन में विराम–चिह्नों (पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक आदि)की पहचान कर पाना।																									
अनुस्वार एवं अनुनासिक ध्वनियों /वर्णों की पहचान कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं संबंधित पात्र के अनुरूप संवाद कर पाना।																									
परिवेशीय सजगता																									
अपने आस पास मौजूद पशु–पक्षियों, पेड़–पौधों, बुजर्गों, महिलाओं आदि के प्रति सहिष्णुता/सम्मान के भाव रखना।																									
व्यक्तिगत, घरेलू और विद्यालय स्तर पर वस्तुओं के व्यर्थ उपयोग को रोकना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 2 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** **कक्षा : 3**

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
कविता/कहानी/विवरण/गीत/संवाद को हावभाव व उतार–चढ़ाव के साथ सुना पाना।																									
अपनी बात को सहज रूप से स्पष्टता के साथ कह पाना।																									
दूसरे के विचारों को ध्यान से सुनकर धैर्यपूर्वक अपने विचार व्यक्त करना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं रुचि लेते हुए पढ़ पाना।																									
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।																									
पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों को पढ़ने के प्रति पहल कर पाना।																									
लिखना																									
विभिन्न लिखित सामग्री (अखबार/बाल पत्र पत्रिका/दीवार लेखन) को पढ़कर उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखित रूप में दे पाना।																									
अपने विचारों को लिखित रूप में आदान–प्रदान कर पाना।																									
चित्र को देखकर 5–6 वाक्य लिख पाना।																									
वाक्यों का श्रुत लेखन कर पाना।																									
व्यवहारिक व्याकरण																									
वचन / लिंग की पहचान कर पाना और वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
वाक्य में क्रिया की पहचान कर पाना।																									
प्रत्यय की पहचान करते हुए प्रयोग कर पाना।																									
'र' के विभिन्न रूपों को समझ पाना व प्रयोग कर पाना।																									
वाक्यों में संज्ञा एवं सर्वनाम शब्दों को पहचानकर प्रयोग कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
संदर्भ के अनुसार कविता/कहानी को समझते हुए उसमें अपनी बात जोड़ पाना/ आगे बढ़ा पाना।																									
प्रार्थना पत्र/पत्र लेखन/समाचार के आधार पर नवीन सृजन करना।																									
परिवेशीय सजगता																									
प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सहज व सजग हो पाना।																									
यातायात के नियमों का पालन संकेतों के साथ कर पाना।																									
स्वच्छता के प्रति जागरूक होना।																									
देश की सांस्कृतिक विभिन्नता, लोक कला और त्यौहारों के बारे में जान पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 3

टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
परिचित वस्तुओं का वर्णन कर पाना।																									
परिचित वस्तु/व्यक्ति/घटना के बारे में अपनी प्रतिक्रिया तार्किक ढंग से प्रस्तुत कर पाना।																									
द्वित्व एवं संयुक्त वर्णों से बने शब्दों का स्पष्ट उच्चारण कर पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
विराम चिह्न को ध्यान में रखते हुए उचित गति, स्पष्ट उच्चारण एवं भाव के साथ रुचि लेते हुए पढ़ पाना।																									
नए शब्दों/सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना एवं स्वयं हल कर पाना।																									
पहेलियों को पढ़कर उनके अर्थ का अनुमान लगाकर उत्तर दे पाना।																									
लिखना																									
अपने अनुभव/पूर्वज्ञान के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।																									
चित्र को देखकर/संदर्भ के आधार पर 5–6 वाक्यों में अपनी बात लिख पाना।																									
स्तरानुसार वाक्यों का श्रुतलेखन कर पाना।																									
व्याकरण																									
विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
अनुस्वार एवं अनुनासिक ध्वनियों/वर्णों को पहचान कर उनमें अंतर कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
सन्दर्भ के अनुसार कहानी/कविता/यात्रा वर्णन पर वाक्य सृजन कर पाना।																									
संदर्भ अनुसार मुखौटे/सूचियाँ बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कर पाना।																									
निर्देशानुसार पत्र/प्रार्थना पत्र / घटनाक्रम को अपने वाक्य में बताना																									
परिवेशीय सजगता																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।																									
आसपास की हालातों के बारे में कारण खोज पाना।																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

लेखन पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित रचनात्मक आकलन की स्थिति
(कक्षा–3 में नामांकित पीछे के स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

कक्षा–1 | *पढ़ना और पढ़कर समझना | **लिखना | विद्यार्थियों के रोल नम्बर →	टर्म										
* वर्णमाला के अक्षरो को शब्दों में और अलग से(मात्रा सहित)पहचानना एवं पढ़ना।	I										
	II										
	III										
शब्द को एक इकाई के रूप में पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्य का वाचन कर पाना।	I										
	II										
	III										
**चित्र के माध्यम से शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सीखे गए वर्णो से नए शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सरल शब्द (मात्रा रहित व मात्रा सहित) एवं वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										
कक्षा–2 | *पढ़ना और पढ़कर समझना | **लिखना | विद्यार्थियों के रोल नम्बर →											
* श्यामपट्ट एवं फ्लैश कार्ड हस्तलिखित अथवा छपे हुए वर्णो वाले शब्दों को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										

शब्दों के आपसी संबंध को ध्यान में रखते हुए पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना ।	I										
	II										
	III										
** सरल शब्दों एवं वाक्यों को देखकर लिख पाना।(संयुक्त वर्णो सहित)	I										
	II										
	III										
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I										
	II										
	III										
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I										
	II										
	III										
चित्र को देखकर 3–4 वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										

प्रारूप–4 **कक्षा : 3**

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन बिन्दु		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना	**टर्म**																									
कविता/कहानी/वर्णन को सुनकर समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
बोली गई सामग्री (कविता/कहानी/निबन्ध) में से प्रमुख विचार को समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
शुद्ध उच्चारण के साथ बोल पाना।	I																									
	II																									
	III																									
परिचित वस्तुओं/घटनाओं/परिस्थितियों का वर्णन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
जाने पहचाने पात्रों का अभिनय करना व संवादों को उतार–चढ़ाव के साथ बोल पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पढ़ना और पढ़कर समझना **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
परिवेश में उपलब्ध संदर्भों, चित्रों और छपी हुई लिखित सामग्री को पढ़ने के लिए उत्सुक होना।	I																									
	II																									
	III																									
ध्वनि व लिपि संकेतों के मध्य सहसंबंध तथा लिखित/मुद्रित सामग्री से रिश्ता जोड़ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पठनीय सामग्री को उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं उसे समझते हुए राय बता पाना।	I																									
	II																									
	III																									

विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में शब्दावली का संदर्भ के साथ अर्थ ग्रहण कर पाना व नवीन जानकारी प्राप्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
चित्र–कथाओं, पत्रों, चुटकलों को पढ़कर समझना व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तार्किकता के साथ दे पाना।	I																									
	II																									
	III																									
लिखना | **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में लिपि के चिह्नों को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर लिख पाना (वर्ण, सरल शब्द, मात्रायुक्त शब्द)(कक्षा 1 व 2)	I																									
	II																									
	III																									
विभिन्न सन्दर्भों, चित्रों, चित्र दृश्यों एवं विषयवस्तु में निर्देशानुसार 2–3 वाक्य लिख पाना (कक्षा 1 व 2)	I																									
	II																									
	III																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आने वाले प्रश्नों, जैसे– क्या, क्यों, कौन, कैसे ... के उत्तर तार्किकता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
अक्षरों एवं शब्दों के सही आकार,क्रम,शिरोरेखा तथा अक्षरों और शब्दों के बीच की दूरी के सही अन्तर को समझते हुए लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सरल वाक्यों का श्रुतलेखन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
निर्देशानुसार सरल निबंध/प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
व्यवहारिक व्याकरण																										
उपसर्ग एव प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
कर्ता के वचन और लिंग के अनुसार विशेषण में होने वाले परिवर्तन को समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									

शब्दों की पुनरावृत्ति, विराम चिह्नों को (प्रश्नवाचक,अल्प विराम,पूर्ण विराम) पहचानकर वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और क्रिया विशेषण की पहचान कर पाना और वाक्य में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
पढ़ी / सुनी कहानी / कविता / सामग्री को ध्यान में रखते हुए वाक्य सृजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
कक्षा कक्षीय गतिविधियों के दौरान कागज / मिट्टी / कपड़े का उपयोग करते हुए शिक्षक / साथी की मदद / बिना मदद लेते हुए सामग्री निर्माण कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
निर्देशानुसार शब्द / वाक्य / पत्र / प्रार्थना पत्र का अपने अनुभवों के आधार पर सृजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पठित सामग्री के आधार पर प्राप्त सूचनाओं / सामग्रियों को अपने अनुभवों के आधार पर सूचीबद्ध कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
परिवेशीय सजगता																										
परिवेश एवं सार्वजनिक स्थलों के प्रति सहज एवं सजग हो पाना।	I																									
	II																									
	III																									
अपने नजदीकी रिश्तेदारों / मित्रों / व्यक्तियों के साथ रहकर नैतिकता का विकास कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सड़क सुरक्षा,परिवेशीय स्वच्छता,लोक कला, संस्कृति एवं त्योहारों के बारे में कह पाना।	I																									
	II																									
	III																									
घर,परिवार एवं विद्यालय की सामग्री के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

प्रारूप–2

टर्म : 1 टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
कहानी/कविता आदि को हाव–भाव , उतार–चढ़ाव के साथ सुना पाना।																									
कविता/कहानी व अन्य सामग्री को अपनी तरह से अपनी भाषा में कहते हुए अपनी बात जोड़ पाना।																									
क्या/कहाँ/किसने/कब /क्यों/कैसे/वाले प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में दे पाना।																									
देश–विदेश में प्रचलित मुद्दों/अभियानों/योजनाओं आदि को जानना व इस प्रकार की चर्चा में भाग ले पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।																									
लिखना																									
उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार लिख पाना।																									
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।																									
स्तरानुसार अन्य विषयों (गणित,पर्यावरण अध्ययन,चित्रकला,नृत्यकला) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझकर लिख पाना।																									
तुकबंदी करके छोटी–छोटी कविताएँ लिख पाना।																									

www.rajteachers.com

व्यावहारिक व्याकरण																									
विषयवस्तु में संज्ञा/सर्वनाम /विशेषण शब्दों की पहचान कर पाना एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
प्रत्यय एवं उपसर्ग को पहचान पाना एवं उनमें प्रयुक्त हुए प्रत्यय/उपसर्ग से नए शब्द बना पाना।																									
वचन, लिंग शब्दों की पहचान कर पाना एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
क्रिया को काल के अनुसार समझना एवं पहचान कर पाना।																									
विपरीत अर्थ एवं समानार्थी शब्दों को पहचान पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
शब्दों और चित्रों के आधार पर कहानी/कविता का निर्माण करना।																									
अपने आसपास आयोजित होने वाले मेलों/त्योहारों/पर्यटन स्थल एवं प्राकृतिक स्थल के बारे में लेख लिखना।																									
परिवेशीय सजगता																									
मित्रों के साथ सहयोग व समन्वय से कार्य कर पाना।																									
ऐतिहासिक प्रसिद्ध स्थलों के बारे में जान पाना।																									
पेड़ों का संरक्षण करना एवं पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के कारणों को जान पाना।																									
सामग्रियों के व्यर्थ उपयोग को रोकने की पहल कर पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 2 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** कक्षा–4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया करना और प्रश्न पूछ पाना।																									
समूह चर्चा में शिष्टाचार का पालन करते हुए भाग ले पाना।																									
विषयवस्तु में निहित 'र' के रूपों एवं ध्वनि की समझ बना पाना एव सही उच्चारण के साथ शब्द बोल पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।																									
विभिन्न परिवेशीय शब्दावली को पढ़कर संदर्भ से जोड़ते हुए अर्थ ग्रहण कर पाना।																									
लिखना																									
शब्दों की उपर्युक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों एवं अनुभवों को लगभग 8–10 वाक्यों में लिख पाना।																									
स्वयं की आत्मकथा एवं यात्रा वर्णन लिख पाना।																									
संबंधित कविता/कहानी के भाव को अपने शब्दों में लिख पाना।																									
व्यावहारिक व्याकरण																									
वाक्यों में संज्ञा के प्रकार को पहचान पाना व प्रयोग कर पाना।																									
वाक्य रचना में विराम चिह्नों की उपयोगिता को समझ पाना व प्रयोग कर पाना।																									
पर्यायवाची/विलोम शब्दों की पहचान कर प्रयोग कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
शिक्षक द्वारा तय गतिविधियों में लेखन/संकलन कार्य करना/ सुझाव अनुसार आवश्यक बदलाव करना।																									
मेरा संकलन में साहित्यिक सामग्री का संग्रह कर प्रदर्शित कर पाना।																									
परिवेशीय सजगता																									
राज्य चिह्नों (पेड़,वृक्ष,खेल आदि)को जानकर उनका सम्मान कर पाना।																									
स्वच्छता के प्रति सजग हो पाना।																									
ग्रामीण परिवेश से परिचित हो पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 3 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** **कक्षा : 4**

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
साहित्य की विभिन्न विधाओं में परस्पर अन्तर को समझ पाना।																									
परिचित परिस्थितियों/घटनाओं/व्यक्तियों के बारे में बोल पाना।																									
स्तरानुसार अन्य विषयों/व्यवसायों/कलाओं आदि(जैसे–गणित,पर्यावरण अध्ययन,चित्रकला आदि)में प्रयुक्त हाने वाली शब्दावली को समझ पाना																									
विभिन्न मुद्दों ,सम–सामयिक चर्चाओं आदि में अपने विचार रख पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
पठित सामग्री को धारा प्रवाह गति के साथ पढ़कर मुख्य विचार एवं नवीन शब्दावली को ग्रहण कर पाना।																									
प्रश्नों को समझकर उनके उत्तर सटीक वाक्य संरचना के साथ व्यक्त कर पाना।																									
जानकारी तथा मनोरंजन के लिए विविध प्रकार की पाठ्यसामग्री को पढ़ने की पहल कर पाना।																									
विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहु–भाषिक और बहु सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ पाना एवं नवीन जानकारी ले पाना।																									
लिखना																									
शब्दों के लेखन में उपयुक्त दूरी व सीधी तथा शिरोरेखा के प्रयोग के साथ किसी परिचित घटना,चित्रों आदि को देखकर मानक शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्यों में लिख पाना।																									
विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (सूचना,कविता,कहानी, आदि) के अनुसार लिख पाना।																									
शब्दकोश से नवीन शब्दों को ढूँढकर लिख पाना।																									
व्यावहारिक व्याकरण																									
संज्ञा/सर्वनाम/विशेषण/ क्रिया शब्दों की पहचान कर पाना एवं वचन के अनुसार इनमें होने वाले परिवर्तनों को जान पाना।																									

www.rajteachers.com

मुहावरों/लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
विषयवस्तु में आए विराम चिह्नों (पूर्ण विराम,अल्प विराम,प्रश्नवाचक,विस्मयादिबोधक,योजक चिह्न) की पहचान कर पाना एवं वाक्यों में उक्त विराम चिह्नों का प्रयोग कर पाना।																									
'और' 'तथा' 'या' 'क्योंकि'–'इसलिए' 'जैसा–वैसा' आदि शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बना पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
लोक कथाओं/लोक गीतों का संकलन करना तथा अन्य लोक कथाओं/गीतो का प्रदर्शन कर पाना।																									
भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए कविता/कहानी को अपनी भाषा में कहते हुए नवीन बात जोड़ पाना।																									
पढ़े गए पत्र/प्रार्थना पत्र/निबन्ध के आधार पर दिए गए विषयवस्तु पर नवीन सृजन कर पाना।																									
परिवेशीय सजगता																									
देशभक्ति की भावना से जुड़े प्रसंग प्रार्थना सभा एवं अन्य कार्यक्रम में सुना पाना।																									
राजस्थान की स्थापत्य कला एवं सस्कृति के बारे में 4–5 वाक्य कह पाना।																									
आसपास के हालातों के बारे में कारण खोज पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

लेखन पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–4 में नामांकित पीछे के स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

कक्षा –1 * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना विद्यार्थियों के रोल नम्बर →	टर्म										
* वर्णमाला के अक्षरो को शब्दों में और अलग से(मात्रा सहित)पहचानना एवं पढ़ना।	I										
	II										
	III										
शब्द को एक इकाई के रूप में पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्य का बोलकर वाचन कर पाना।	I										
	II										
	III										
**चित्र के माध्यम से शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सीखे गए वर्णो से नए शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सरल शब्द (मात्रा रहित व सहित) एवं वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										
कक्षा–2 * पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना विद्यार्थियों के रोल नम्बर →	**टर्म**										
* श्यामपट्ट एवं फ्लैश कार्ड हस्तलिखित अथवा छपे हुए वर्णो वाले शब्दों को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
शब्दों के आपसी संबंध को ध्यान में रखते हुए पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना।	I										
	II										
	III										

** सरल शब्दों एवं वाक्यों को देखकर लिख पाना।(संयुक्त वर्णो सहित)	I										
	II										
	III										
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I										
	II										
	III										
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I										
	II										
	III										
चित्र को देखकर 3–4 वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										
कक्षा–3 *पढ़ना और पढ़कर समझना ** लिखना विद्यार्थियों के रोल नम्बर →	**टर्म**										
* विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए सरल गीत/कविता/कहानी आदि को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
दूसरों की हस्तलिखित सामग्री को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल बाल साहित्य पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
**अक्षरों एवं शब्दों के सही आकार,क्रम,शिरोरेखा तथा अक्षरों एवं शब्दों के बीच की दूरी के सही अन्तर को समझते हुए लिख पाना।	I										
	II										
	III										
क्या, क्यों, कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्यों का श्रुतलेख कर पाना।	I										
	II										
	III										

प्रारूप–4 **कक्षा : 4**

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन बिन्दु	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
स्तरानुसार कविता/ कहानी/ वर्णन/ चुटकुले / भाषण/ नाटक आदि को सुनकर समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
बिना रूके स्वाभाविक प्रवाह के साथ अपने विचार व्यक्त कर पाना/बात कह पाना।	I																									
	II																									
	III																									
विषयवस्तु में निहित 'र' के रूप एवं ध्वनि की समझ बना पाना एवं शब्दों का सही उच्चारण कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पढ़ना और पढ़कर समझना — **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
परिवेशीय संदर्भो, चित्रों और छपी हुई लिखित सामग्री को पढ़ने के लिए उत्सुक होना।	I																									
	II																									
	III																									
ध्वनि व लिपि संकेतों के मध्य सहसंबंध तथा लिखित/मुद्रित सामग्री से रिश्ता जोड़ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पठनीय सामग्री को उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं उसे समझते हुए राय बता पाना।	I																									
	II																									
	III																									

www.rajteachers.com

विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में शब्दावली का संदर्भ के साथ अर्थ ग्रहण कर पाना व नवीन जानकारी प्राप्त कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
चित्र–कथाओं, पत्रों, चुटकुलों को पढ़कर समझना व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तार्किकता के साथ दे पाना।	I																									
	II																									
	III																									
पुस्तकों को पढ़ने एवं सुनने में रुचि होना।	I																									
	II																									
	III																									
लिखना — **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
शब्दों की उपयुक्त दूरी व सीधी लाइन में स्पष्टता के साथ विषय के अनुसार विचारों, अनुभव व चिन्तन को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संबंधित विषयवस्तु/संदर्भ के अनुसार क्या, क्यों, कौन, कैसे प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
विराम चिह्नों (पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रष्नवाचक) का प्रयोग करते हुए श्रुतलेखन करना।	I																									
	II																									
	III																									
व्यावहारिक व्याकरण																										
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और क्रिया विशेषण की पहचान कर पाना एवं वचन के अनुसार होने वाले परिवर्तन को समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
प्रश्नवाचक,अल्पविराम,पूर्णविराम,विस्मयादि बोधक एवं योजक चिह्नों का उचित प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
मुहावरों को समझ पाना एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									

अनुनासिक एवं पंचम् वर्णो को पहचान पाना एवं उनका प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए निबन्ध का सृजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
दी गई विषयवस्तु पर चित्रांकन, रंगाकन स्पष्टता एवं रोचकता से कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
अपने आसपास आयोजित होने वाले मेलो/त्योहारों के संबंध में स्वतंत्र सृजन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
लोक कथाओं/गीतों एवं परिवेश में उपलब्ध गीतो का संकलन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
परिवेशीय सजगता																										
आपसी भाई चारे एवं सहयोग की भावना से दिव्यांगों की सहायता करना।	I																									
	II																									
	III																									
प्राकृतिक वस्तुओं के संरक्षण एवं उपयोगिता के प्रति सजग हो पाना।	I																									
	II																									
	III																									
राजस्थान राज्य के चिह्नों के बारे जानना एवं संस्कृति के विषय में प्रश्न कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
देखी–सुनी घटनाओं के बारे में समझना और समझा पाना।	I																									
	II																									
	III																									

प्रारूप–2

टर्म : 1

टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
स्तरानुसार कविता/कहानी/चुटकले आदि को सुनकर समझना।																									
मौखिक सूचना के आधार पर निष्कर्ष निकालना।																									
सरल विषयों पर अपने विचार प्रकट करना।																									
देखी सुनी घटनाओं एवं स्थितियों का वर्णन करना ।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
चित्र/कविता/कहानी/अनुच्छेद/पहेलियों को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।																									
विषयवस्तु से संबंधित पाठ्य सामग्री (अखबार/बाल साहित्य/पोस्टर आदि) के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना।																									
नवीन शब्दों को संदर्भ के साथ समझ पाना एवं शब्दकोश का उपयोग कर पाना।																									
लिखना																									
क्यों/कब /कैसे/ वाले प्रश्नों के उत्तर तर्क के साथ विस्तार से लिख पाना।																									
पाठ्यसामग्री को पढ़कर उसके अर्थ एवं मूल भाव को विरामचिह्नों के प्रयोग करते हुए स्पष्ट लिख पाना।																									
चित्र को देखकर क्रमबद्धता के साथ 8–10 वाक्य लिख पाना।																									
दिए गए चित्रों के आधार पर कहानी का सृजन कर पाना एवं विभिन्न मुद्राओं को देखकर खेलों के बारे में लिख पाना।																									
व्यावहारिक व्याकरण																									
अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों का उच्चारण भेद के साथ प्रयोग कर पाना।																									
कारक चिह्न को समझ के साथ पठन–लेखन में उपयोग कर पाना।																									
विषयवस्तु में संज्ञा/सर्वनाम/विशेषण शब्दों को समझना एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
लिंग/वचन/एक वाक्य के लिए एक शब्द कीं समझ एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
विलोम शब्द एवं शब्द युग्म को वाक्यों में समझ पाना एवं वाक्य प्रयोग कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
समझ के साथ अपने लेखन को जाँच पाना और लेखन में बदलाव कर पाना।																									
भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए कविता/कहानी को अपनी भाषा में गढ़ पाना व लिख पाना।																									
कविता/कहानी/प्रेरक प्रसंग का संकलन कर भित्ति पत्रिका के रूप में कक्षा में प्रदर्शित कर पाना।																									
परिवेशीय सजगता																									
देशभक्तों के विषय में जानकर देश के प्रति सम्मान का भाव हो पाना।																									
भारतीय त्योहारों के महत्व को जान पाना।																									
मित्रों के साथ सहयोग एव समन्वयन से कार्य कर पाना।																									
स्वच्छता के महत्व को समझकर बता पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म : 2 | **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** | कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
कहानी / कविता / निबंध आदि के अर्थ एवं भाव को समझकर हावभाव सहित स्पष्टता के साथ सुना पाना।																									
कविता / कहानी / निबंध / वर्णन आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछ पाना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दे पाना।																									
कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में भाग लेना तथा विचार विमर्श करना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
चित्र / कविता / कहानी / निबंध / आत्मकथा को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।																									
पाठ्यसामग्री के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना / प्रतिक्रिया दे पाना।																									
अपरिचित शब्दों को संदर्भ के साथ समझ पाना एवं शब्दकोश का उपयोग कर पाना।																									
साहित्य की विभिन्न विधाओं से सम्बंधित संदर्भ पुस्तकों, सूचनापट्ट की सूचनाओं, कार्यक्रम की रिर्पोट का अध्ययन कर पाना।																									
खोजपूर्ण जानकारी एवं अनुमान–कल्पना आधारित प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना।																									
लिखना																									
विविध प्रकार की सामग्री (अखबार / बालसाहित्य / पोस्टर) में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर अपनी लिखित अभिव्यक्ति दे पाना।																									
विभिन्न स्थितियों,उद्देश्यों के संदर्भ में अपनी बात लिख पाना।																									
विषयवस्तु में पहेलियों / लोकोक्तियों / मुहावरों को खोजकर लिख पाना।																									
पढ़े हुए पत्रों के आधार पर उचित प्रारूप में स्वयं पत्र लिख पाना।																									
विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए श्रुतलेखन कर पाना।																									
व्याकरण																									
उपसर्ग / प्रत्यय की समझ बना पाना एवं नए शब्द बनाकर प्रयोग कर पाना।																									
'र' के विभिन्न रूप एवं'ऋ' की मात्रा की पहचान कर पाना एवं वाक्यों में प्रयोग कर पाना।																									
विशेषण–विशेष्य व क्रिया विशेषण को समझ पाना व प्रयोग कर पाना।																									
कारक चिह्नों को समझ पाना एवं प्रयोग कर पाना।																									
क्रिया की कर्म के आधार पर (सकर्मक–अकर्मक)पहचान कर पाना व प्रयोग कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
रंगोली / चित्र / कोलाज बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।																									
कबीर / रहीम के दोहों का संकलन कर भिति पत्रिका का निर्माण करना।																									
परिवेशीय सजगता																									
प्रेम,सौहार्द्र,सम्मान आदि नैतिक गुणों का अनुसरण कर पाना।																									
वृद्धों / गुरुजन / अतिथियों का सम्मान कर पाना एवं दिव्यांगों का सहयोग कर पाना।																									
महापुरुषों, महान नारियों के सद्गुणों की जानकारी प्राप्त कर जीवन में ग्रहण कर पाना व उनके विचारों को बालसभा / उत्सव / जयन्तियाँ के अवसर प्रस्तुत कर पाना। ।																									
वस्तुओं / सामग्रियों के दुरुपयोग को रोकने की पहल कर पाना।																									
पुस्तकालय का उपयोग कर पाना।																									

टर्म : 3 **टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** **कक्षा : 5**

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																									
दोहे / कविता / संस्मरण / संवाद आदि के अर्थ एवं भाव को समझकर हाव–भाव सहित पहल करते हुए सुना पाना।																									
नाटक, वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेना / विद्यालय के कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे पाना।																									
कक्षा–कक्ष में हो रही चर्चा में अपने अनुभव के आधार पर सहजता के साथ विचार रख पाना।																									
चल रहे कार्यों– बातचीत / गतिविधि / खेल / कहानी आदि के सम्बन्ध में तर्क संगत प्रश्न पूछ पाना एवं प्रश्नों के तर्कसंगत उत्तर दे पाना।																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																									
चित्र / कविता / दोहे / संवाद / संस्मरण को स्पष्ट उच्चारण एवं उतार–चढ़ाव के साथ धारा प्रवाह गति से पढ़ पाना।																									
पाठ्य सामग्री के मूल भाव एवं विचार को समझ कर अभिव्यक्त कर पाना एवं अपनी राय बता पाना।																									
खोजपूर्ण जानकारी एवं अनुमान–कल्पना आधारित प्रश्नों को पढ़कर समझना एवं उनके उत्तर तर्क सहित दे पाना।																									
स्तरानुसार संबंधित सूचनाओं,निर्देशों एवं पत्रों को पढ़कर संबंधित कार्य कर पाना।																									
कविता, संस्मरण, दोहों को पढ़कर समझ पाना व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्क सहित दे पाना।																									
लिखना																									
दिए गए संदर्भ पर आधारित सरल एवं संक्षिप्त निबन्ध / पत्र / कहानी / लोक कथा को लिख पाना।																									
प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिख पाना।																									
विधा परिवर्तन कर लिख पाना । (कविता को कहानी रूप में कहानी को कविता रूप में)																									

www.rajteachers.com

पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिन्दुओं पर लिखित अभिव्यक्ति कर पाना।																									
व्यावहारिक व्याकरण																									
विषयवस्तु में आए काल की पहचान कर पाना (भूत,भविष्य,वर्तमान)																									
पर्यायवाची एवं विलोम शब्दों की पहचान कर संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर पाना।																									
लेखन में पूर्ण विराम,अल्प विराम,प्रश्नवाचक,विस्मयादि एवं उद्धरण चिह्न का प्रयोग कर पाना।																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																									
रंगोली / चित्र / कॉलाज बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना।																									
गीत / कविताओं की रचना कर पाना।																									
स्वयं के पसन्द के खेल / खेल सामग्री / त्यौहार / भ्रमण के चित्र संकलन कर भीत्ति पत्रिका का निर्माण कर पाना।																									
अपने अनुभवों को चित्र द्वारा व्यक्त कर पाना।																									
परिवेशीय सजगता																									
राजस्थान के प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त कर कह पाना।																									
त्याग एवं सर्मपण की भावना जाग्रत हो पाना।																									
परिवेशीय घटनाओं के प्रति राय व्यक्त कर पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

लेखन पठन की बुनियादी क्षमताओं से सम्बन्धित रचनात्मक आकलन की स्थिति

(कक्षा–5 में नामांकित पीछे के स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

कक्षा –1 * **पढ़ना और पढ़कर समझना** ** **लिखना** **विद्यार्थियों के रोल नम्बर →**	**टर्म**										
* वर्णमाला के अक्षरों को शब्दों में और अलग से(मात्रा सहित)पहचानना एवं पढ़ना।	I										
	II										
	III										
शब्द को एक इकाई के रूप में पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्य का वाचन कर पाना।	I										
	II										
	III										
**चित्र के माध्यम से शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सीखे गए वर्णों से नए शब्द लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सरल शब्द (मात्रा रहित व सहित) एवं वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										
कक्षा– 2 * **पढ़ना और पढ़कर समझना** ** **लिखना** **विद्यार्थियों के रोल नम्बर →**	**टर्म**										
* श्यामपट्ट एवं फ्लैश कार्ड हस्तलिखित अथवा छपे हुए वर्णों वाले शब्दों को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
शब्दों के आपसी संबंध को ध्यान में रखते हुए पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										

सरल वाक्यों/निर्देशों/प्रश्नों को पढ़कर समझ पाना ।	I										
	II										
	III										
** सरल शब्दों एवं वाक्यों को देखकर लिख पाना।(संयुक्त वर्णो सहित)	I										
	II										
	III										
संदर्भ के अनुसार पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख पाना।	I										
	II										
	III										
संयुक्ताक्षर, अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझते हुए लिख पाना एवं वाक्यों में भी प्रयोग कर पाना।	I										
	II										
	III										
चित्र को देखकर 3–4 वाक्य लिख पाना।	I										
	II										
	III										
कक्षा –3 * **पढ़ना और पढ़कर समझना** ** **लिखना** **विद्यार्थियों के रोल नम्बर →**	**टर्म**										
* विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए सरल गीत/कविता/कहानी आदि को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
दूसरों की हस्तलिखित सामग्री को पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
सरल बाल साहित्य पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
**अक्षरों एवं शब्दों के सही आकार,क्रम,शिरोरेखा तथा अक्षरों एवं शब्दों के बीच की दूरी के सही अन्तर को समझते हुए लिख पाना।	I										
	II										
	III										

www.rajteachers.com

क्या/क्यों/कौन/ कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में व्यवस्थित लिख पाना।	I										
	II										
	III										
सरल वाक्यों का श्रुतलेख कर पाना।	I										
	II										
	III										
कक्षा –4 * **पढ़ना और पढ़कर समझना** ** **लिखना** **विद्यार्थियों के रोल नम्बर →**	**टर्म**										
* कार्टून (व्यंग्य चित्र) कॉमिक्स (चित्रकथा) एवं पोस्टर पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
बाल साहित्य पढ़ पाना। (मौन वाचन भी करना)	I										
	II										
	III										
विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए प्रसंगानुसार उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
** चित्र भावों/विचारों/अनुभवों व चिन्तन को अपने शब्दों में लिख पाना।	I										
	II										
	III										
विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए श्रुतलेखन कर पाना।	I										
	II										
	III										
पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में लिख पाना।	I										
	II										
	III										

www.rajteachers.com

प्रारूप–4 **कक्षा : 5**

टर्मवार योगात्मक मूल्यांकन

(योगात्मक आकलन की ग्रेड का निर्धारण पोर्टफोलियों, सतत रचनात्मक आकलन, चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य,गृह–कार्य, योजना डायरी की समीक्षा, मौखिक क्रियाएँ, परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएँ, शिक्षक अनुभव एवं विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य व पेपर पेन्सिल टेस्ट आदि को ध्यान में रख कर किया जाना है।)

अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष आकलन बिन्दु	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
मौखिक सूचनाओं के आधार पर निष्कर्ष निकालना।	I																									
	II																									
बिना अटके स्वाभाविक प्रवाह के साथ आत्मविश्वास से बोल पाना।	I																									
	II																									
कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में भाग लेना तथा विचार –विमर्श करना।	I																									
	II																									
सरल विषयों पर अपने विचार प्रकट कर पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
परिवेश में उपलब्ध संदर्भों, चित्रों और छपी हुई लिखित सामग्री को पढ़ने के लिए उत्सुक होना।	I																									
	II																									
पठनीय सामग्री को उचित गति व शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ पाना एवं उसे समझते हुए राय बता पाना	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में शब्दावली का संदर्भ के साथ अर्थ ग्रहण कर पाना व नवीन जानकारी प्राप्त कर पाना	I																									
	II																									
चित्र–कथाओं, पत्रों, चुटकलों को पढ़कर समझना व पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तार्किकता क साथ दे पाना	I																									
	II																									
पुस्तकालय से सामग्री प्राप्त कर पढ़ने में रुचि लेना।	I																									
	II																									
लिखना **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
समुचित दूरी,सही प्रारूप को ध्यान में रखते हुए (पत्र/कविता/कहानी/निबनध आदि) लिख पाना।	I																									
	II																									
स्तरानुसार अन्य विषयों,व्यवसायों,कलाओं आदि (जैसे–गणित,प.अ., नृतयकला, चित्रकला, चिकित्सा) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझ पाना और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार लेखन में प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए श्रुतलेखन कर पाना।	I																									
	II																									
उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए श्रुतलेखन कर पाना।	I																									
	II																									

www.rajteachers.com

पाठ्यसामग्री (कविता/कहानी/निबन्ध) के मूलभाव को अपने शब्दों में लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्रों एवं विषयवस्तु के आधार पर कहानी का सृजन कर पाना	I																									
	II																									
व्यावहारिक व्याकरण																										
कारक चिह्नों की पहचान कर पाना और वाक्य में प्रयोग कर पाना	I																									
	II																									
वाक्य रचना की विभिन्न इकाइयों (वचन,लिंग,पुरुष,कारक,काल,शब्दक्रम) प्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
उपसर्ग एवं प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाना।	I																									
	II																									
काल/क्रिया के प्रकारों को समझना एवं उनका प्रयोग कर पाना	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
लेखन प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं लेखन माध्यम से अभिव्यक्ति कर पाना।	I																									
	II																									
कविता/कहानी एवं अन्य सामग्री को अपनी भाषा में गढ़ना।	I																									
	II																									
रंगोली/माँण्डणे/चित्र/कॉलाज बनाकर उचित रंग संयोजन कर पाना	I																									
	II																									
महापुरूषों/महान नारियों के चित्रों,कार्यों व आदर्शों का संकलन तैयार कर कक्षा में प्रदर्शित कर पाना।	I																									
	II																									
पढ़ी हुई कविता/कहानी का नाट्य रूपान्तरण कर अभिनय कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय सजगता																										
राष्ट्रीयता की भावना के साथ राष्ट्रीय त्योहारों /खेलों का महत्व बता पाना।	I																									
	II																									
प्रेरक महापुरुषों के आचरण को जीवन में अनुसरण करते हुए नैतिकता की सीख लेना।	I																									
	II																									
राजस्थान की सांस्कृतिक,प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विषय में चर्चा कर राय दे पाना।	I																									
	II																									

निर्देश–शिक्षक पेपर–पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए एवं तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर आयोज्य प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन के समय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाना है।

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।

खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

ब्लॉक -5, डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)

www.rajteachers.com